University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

Certificate Course in Jain Studies

Examination 2024

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
Jaipur

सर्टिफिकेट कॉर्स

जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति सर्टिफिकेट

इस परीक्षा के लिए दो प्रश्न पत्र होंगे तथा योग्यता अन्य विषयों के सर्टिफिकेट कोर्स के अनुरूप ही होगी। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंको के होंगे।

पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र	जैन धर्म दर्शन	100 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	जैन इतिहास और साहित्य	100 अंक

प्रथम प्रश्न पत्र

(1) जैन धर्म 50 अंक

अहिंसा, कर्म सिद्वांत, श्रावकाचार, श्रमणाचार : सामान्य परिचय।

(2) जैन दर्शन 50 अंक

जैन दर्शन की पृष्ठ भूमि–द्रव्य का लक्षण एवं भेद, रत्नत्रय, नवपदार्थ परिचय, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद।

द्वितीय प्रश्न पत्र

जैन इतिहास 50 अंक

चौबीस तीर्थंकरों में ऋषभदेव, नेमिनाथ एवं पार्श्वनाथ का विशिष्ट परिचय, महावीर का जीवन एवं तत्कालीन परिस्थितियॉ, जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदाय, राजस्थान में जैन धर्म, राजस्थान के जैन सिद्व क्षेत्र एवं अतिशय क्षेत्रों का परिचय।

जैन साहित्य 50 अंक

1. आगम–साहित्य परिचय –दिगम्बर एवं श्वेताम्बर आगमों का परिचय
2. प्रमुख जैन आचार्य . आचार्य कुंदकुंद, आचार्य अमृतचंद्र, आचार्य समन्त भ्रद, आचार्य हरिभद सूरि, आचार्य हेमचंद सूरि।

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Books recommended

प्राकृत साहित्य का इतिहास	–डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
जैन दर्शन	–डॉ. महेन्द्र कुमार न्यायाचार्य
जैन साहित्य का वृहद् इतिहास (प्रथम)	–पार्श्वनाथ विद्यापीठ
आगम परिचय	–आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर
स्याद्वाद और सप्तीभंगी	–भिखारी राम यादव
जैन धर्म का मौलिक इतिहास	–आचाय श्री हस्तीमल जी म0
आत्मानुशीलनम्	–पं. प्रभुदयाल कासलीवाल, सरस्वती ग्रंथमाला, जयपुर
समणसुतं	–सर्व–सेवा–संघ–प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी
जैनाचार्य	–संघमित्रा

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur